

**पत्र सूचना कार्यालय  
भारत सरकार  
प्रधानमंत्री कार्यालय**

26-फरवरी-2015 16:16 IST

**रेलवे बजट 2015 पर दूरदर्शन समाचार को दी गयी प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया का मूल पाठ**

रेलवे बजट हिंदुस्तान के गरीब-से-गरीब मानव से जुड़ा हुआ बजट होता है। भारतीय रेल सिर्फ एक स्थान को दूसरे स्थान से जोड़ने के ही लिए नहीं, लेकिन भारत के अर्थतंत्र को गति देने का एक सशक्त साधन है। आज का बजट रेलवे के सर्वांगीण विकास को ले कर के आया है।

रेलवे से नौजवानों को रोजगार मिल सकता है; रेलवे से पर्यावरण की भी चिंता हो सकती है; रेलवे से भारत की छवि को भी विश्व में उजागर किया जा सकता है; रेलवे से आर्थिक विकास को नई दिशा दी जा सकती है। कोई ऐसा पहलु नहीं है जो इस बार रेलवे बजट में अछूता रहा हो।

मैं रेलवे मिनिस्टर का हृदय से अभिनन्दन करता हूँ कि वे तत्कालीन वाहवाही के मोह से बच करके पाँच साल की योजना ले करके आये हैं। पहली बार रेलवे ने financial discipline और expenditure में discipline - इसकी बात कही है। यह अपने आप में हिंदुस्तान के सामान्य मानव के पैसों को इज्जत देना, उसका सही इस्तेमाल करना - उस दिशा में प्रयास है।

रेलवे में नौकरी पाने के लिए नौजवान बेताब होता है, लेकिन transparency नहीं थी। आज नौजवान को रोजगार मिले, लेकिन भ्रष्टाचार से मुक्त व्यवस्था हो, उस दिशा में अहम् कदम रेल मंत्री ने उठाया है।

रेल बजट में सर्वाधिक ध्यान यात्रियों की सुविधा पर दिया गया है, रेलवे की गति पर दिया गया है, technology के upgradation पर दिया गया है, और नयी-नयी कल्पनाओं से भरा हुआ सर्वस्पर्शी, विकास के हर पहलू को छूने वाला, आज रेलवे बजट देश के सामने आया है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए जो इंतज़ाम किये गए हैं, helpline की जो बात कही गयी है, जो permanent व्यवस्थाएं विकसित हो रही हैं, और रेलवे में यात्रा करने वाले मुसाफिर को अच्छा खाना मिले, एक सुविधा का माहौल उपलब्ध हो। World-class railway stations कैसे बनें? सिर्फ platform क्यों? ऊपर 20 मंजिला, 25 मंजिला station क्यों न हो? ऊपर हर प्रकार की सुविधायें क्यों न हों? Railway stations एक आधुनिक रेल की पहचान बन सकते हैं।

अब तक रेल बजट कितने डिब्बे बढ़ेंगे, कितने डिब्बे AC होंगे, कितनी नयी trains चलेंगी, उसी सीमा में बंधा हुआ रहता था। यात्री भाड़ा बढ़ाए बिना पहली बार 8 लाख करोड़ से भी ज्यादा पूँजी निवेश का संकल्प करने वाला यह बजट अपने आप में नेक और मुकम्मल इरादों का परिचायक है।

\*\*\*

महिमा वशिष्ठ / अमित कुमार